



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

57/50 JUL 1982

सं. 5]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 27, 1982/ज्येष्ठ 6, 1904

No. 5]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 27, 1982/JYAISTHA 6, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सहया बी जाती है जिससे कि यह अलग सकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली 24 मई 1982

सं. पर्स/एससी/13/78 बी.सी. III भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम 1971 (1971 का 43) की धारा 35 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 37 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार ने पूर्वोक्तोक्तन में पठित धारा निम्नलिखित विनियम बनाता है अर्थात् —

1. संक्षिप्त नाम प्राप्त नाम तथा लागू होने (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (अवकाश यात्रा रियायत) विनियम 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

(3) ये विनियम प्राधिकरण के नाम समी कर्मचारियों का लाभ होंगे —

(1) जो नियमित छुट्टी के हकदार हैं

(II) जो संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए हैं यदि उनकी संविदा एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए है और

(III) जिन्हें एक वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण हो जाने पर पुनः नियुक्ति किया गया है

और निम्नलिखित शर्तों का लाभ नहीं होंगे —

(1) जो प्राधिकरण के पूर्णकालिक विद्यार्थी न हों या

(II) जो वैयक्तिक मजदूरी कर्मचारी हैं, या

(III) जो प्रशिक्षणार्थी या शिष्य हैं

परन्तु केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों और विभागों से तथा अन्य संगठनों में प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों को, यदि उनको प्रतिनियुक्ति की शर्तों के अधीन अन्यथा ऐसा अनुज्ञेय है, यह विचार होगा कि वे इन विनियमों के अधीन अनुज्ञेय अवकाश यात्रा रियायत और उनके मूल संगठन के अधीन उन्हें अनुज्ञेय अवकाश यात्रा रियायत में से जो भी अधिक अनुकूल लगे, का लाभ किन्तु ऐसा कोई व्यक्ति 2/4 वर्ष वाले ब्लॉक की अवधि में अपने लिए और/या अपने कुटुम्ब के लिए प्राधिकरण से ऐसी रियायत का लाभ पाने का हकदार उस दशा में नहीं होगा जब उस और/या उस कुटुम्ब ने उस ब्लॉक के दौरान अपने मूल संगठन के अधीन ऐसी रियायत का लाभ पहले ही उठा लिया हो।

2. परिभाषाएं इन विनियमों में —

(क) “ब्लॉक” में 1972-73 से प्रारम्भ होने वाले दो क्रमिक कैलेंडर वर्षों का समूह अभिप्रेत है।

(ख) “संक्षेप प्राधिकारी” से, अध्यक्ष, कोई सदस्य या कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है जिसे अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए।

(ग) “रियायत” से इन विनियमों के अधीन अनुज्ञेय छुट्टी यात्रा रियायत अभिप्रेत है।

(घ) “कुटुम्ब” से अभिप्रेत है यथास्थिति कर्मचारी के साथ निवास करने वाला उसका पति या पत्नी, सर्वज्ञ सन्तान और एक सन्तान (यदि कर्मचारी को लागू उसकी स्त्रीय विधि के अधीन

दत्तकग्रहण इस रूप में विधितः मान्यताप्राप्त है कि दत्तक ली गई संतान को नैसर्गिक संतान की प्राप्ति प्राप्त हो जाती है), जो पूर्णतः कर्मचारी पर आश्रित है, उसके साथ निवास करने वाले तथा उस पर पूर्णतः आश्रित उसके माता-पिता, बहिन और नानासिक भाई।

टिप्पण—इन विनियमों के प्रयोजन के लिए, "कुटुम्ब" के अन्तर्गत एक में अधिक पत्नी शामिल नहीं है;

(इ) "स्वतन्त्र" में, कर्मचारी के सेवा-अभिलेख में प्रविष्ट स्वामी स्वतन्त्र या ग्राम अथवा ऐसा अन्य स्थान अभिप्रेत है जिसे उसने स्वतन्त्र घोषित किया है तथा सक्षम प्राधिकारी ने स्वीकार किया है।

3. स्वतन्त्र की घोषणा: (1) प्रत्येक कर्मचारी इन विनियमों के प्रारम्भ की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर या रियायत लेने से पूर्व, इनमें से जो भी पहले पड़े, सक्षम प्राधिकारी को इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए अपने स्वतन्त्र की घोषणा करेगा।

परन्तु प्राधिकरण की सेवा में प्रविष्ट तथा व्यक्ति, सेवा में प्रवेश की तारीख से छह मास बीतने से पूर्व, ऐसी घोषणा करेगा;

(2) स्वतन्त्र के बारे में एक बार की गई घोषणा अन्तिम मानी जायेगी, किन्तु असाधारण परिस्थितियों में, सक्षम प्राधिकारी ऐसा करने के लिए कारणों को लेखबद्ध करते हुए, ऐसी घोषणा में परिवर्तन प्राधिकृत कर सकेगा, परन्तु ऐसे परिवर्तन के लिए कर्मचारी को सम्पूर्ण सेवा काल में एक बार से अधिक प्राधिकृत नहीं किया जाएगा;

(3) कर्मचारी स्वतन्त्र के परिवर्तन के लिए प्रत्येक प्रार्थना में ऐसे परिवर्तन के कारणों का, जैसे, स्वास्थ्य, सम्पत्ति का स्वामित्व या निकट नातेदारों के स्थायी निवास-स्थानों का, उल्लेख करेगा।

4. यात्रा रियायत की अनुज्ञेयता प्राधिकरण के कर्मचारियों को स्वतन्त्र जाने के लिए, यात्रा रियायत की जाएगी तथा प्राधिकरण निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए, किराए की प्रतिपूर्ति करेगा:—

(क) किसी कर्मचारी तथा उसके कुटुम्ब के सदस्यों को, एक बार स्वतन्त्र जाने के लिए, सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति से, रियायत अनुज्ञेय होगी।

टिप्पण-1:—कोई कर्मचारी, नियमित अथवा आकस्मिक छुट्टी के दौरान स्वयं यह रियायत ले सकता है।

टिप्पण-2:—कुटुम्ब के सदस्य, इस तथ्य के अनुप्राप्त कि कर्मचारी को इस प्रयोजन के लिए नियमित अथवा आकस्मिक अवकाश मंजूर किया गया है या नहीं अथवा उसका अवकाश गामकीय रूप से नामभूत किया गया है या नहीं, रियायत के हकदार होंगे।

टिप्पण-3:—जैसे कर्मचारी भी, जो सक्षम प्राधिकारी को समाधानप्रद रूप में यह घोषणा करता है कि उसका स्वतन्त्र भारत के बाहर है, स्वतन्त्र जाने के लिए यह रियायत लेने का हकदार होगा। ऐसे मामलों में प्राधिकरण का दायित्व भारत में, किसी ऐसे भारतीय रेलवे स्टेशन या पत्तन, जो सबसे छोटे मार्ग द्वारा कर्मचारी के स्वतन्त्र के निकटतम हो, तक और वहां से की जाने वाली यात्रा के लिए, सीधे टिकट के आधार पर संगणित किया, तक ही सीमित रहेगा।

स्पष्टीकरण: इस विनियम के प्रयोजन के लिए, उनके स्वतन्त्र के निकटतम "पत्तन" शब्द से अभिप्रेत है, भारत में स्थित ऐसा पत्तन जो कर्मचारी के स्वतन्त्र के सर्वाधिक निकट है।

(ख) प्राधिकरण दो वर्ष के ब्लाक में स्वतन्त्र और 4 वर्ष के ब्लाक में भारत में किसी स्थान को जाने के लिए अपने कर्मचारी को जिग श्रेणी

में यात्रा करने के लिए वह हकदार है, उस श्रेणी द्वारा यात्रा करने में उपगत समस्त व्यय की प्रतिपूर्ति करेगा।

टिप्पणी:—कर्मचारी के मुख्यालय और उसके स्वतन्त्र के बीच रेल किराए के खर्च के बारे में प्राधिकरण का दायित्व, सबसे छोटे मार्ग से 'सीधे टिकट' के आधार पर संगणित किया, तक ही सीमित रहेगा।

(ग) कर्मचारी तथा उसके कुटुम्ब के सदस्य रेल द्वारा उस श्रेणी में यात्रा के हकदार होंगे जिसके वे यात्रा भत्ता से संबंधित उन विनियमों के अधीन, जो ऐसे कर्मचारियों को लागू होते हैं, हकदार हैं। किन्तु शर्त यह है कि यदि कोई अधिकारी यात्रा भत्ता विनियमों के अधीन वातानुकूलित श्रेणी में यात्रा करने का हकदार है तो वह अनुज्ञेय यात्रा रियायत का हकदार प्रथम श्रेणी में यात्रा के आचार पर होगा।

(घ) यात्रा प्रत्येक मामले में 'स्वतन्त्र' का जाले तथा वहां से वापस आने के लिए ही होनी चाहिए, किन्तु यह आवश्यक नहीं है कि संबंधित कर्मचारी या उसके कुटुम्ब के सदस्य की यात्रा कर्मचारी के मुख्यालय से प्रारम्भ हो या वहां पर समाप्त हो। किन्तु अनुज्ञेय यात्रा का कोई वास्तविक दूरी के किराए तक सीमित रहेगी और ऐसे किराए की रकम उस राशितक सीमित रहेगी जो उस दशा में अनुज्ञेय होती जबकि यात्रा कर्मचारी के मुख्यालय और उसके स्वतन्त्र के बीच की जाती।

(ङ) यह आवश्यक नहीं कि कर्मचारी के परिवार के सदस्य कर्मचारी के साथ जायें या उसी कैलेंडर वर्ष में यात्रा करें जिस कैलेंडर वर्ष में कर्मचारी यात्रा करता है। कर्मचारी चाहे रियायत प्राप्त करे या न करे परिवार के सदस्यों को स्वतन्त्र रूप से रियायत मिलेगी। कर्मचारी के परिवार के सदस्य अपनी सुविधानुसार चाहें तो एक साथ अथवा भिन्न-भिन्न समूहों में चल-अलग यात्रा कर सकते हैं। यदि वे भिन्न समूहों, भिन्न समय में यात्रा करने हैं तो प्रत्येक समूह के संबंध में व्यय की प्रतिपूर्ति की अनुमति प्रदान की जा सकती है बशर्ते कि यात्रा उसी ब्लाक वर्ष के दौरान पूरी की गई हो जिस ब्लाक वर्ष के दौरान प्रथम समूह ने अपनी यात्रा पूरी की हो। उदाहरणार्थ, 1978—81 ब्लाक वर्ष के लिए यदि एक समूह अपनी बहियात्रा 1978 में पूरी करता है तो अन्तिम समूह अपनी बहियात्रा 1982 तक किसी भी समय पूरी कर सकता है। उस समूह की बहियात्रा प्रारम्भ होने की तारीख से छः महीने के भीतर प्रत्येक समूह को वापसी यात्रा पूरी करनी होगी। सक्षम प्राधिकारी द्वारा विज्ञेय मामलों में इस शर्त में छील दी जा सकती है।

(च) रियायत की गणना उस वर्ष की बाबत की जाएगी जिस वर्ष में बहियात्रा प्रारम्भ की जाती है। तथापि, ऐसे कर्मचारियों और उनके कुटुम्बों को, जिन्होंने दो वर्ष के एक ब्लाक में रियायत नहीं ली है, अगामी ब्लाक के प्रथम वर्ष की समाप्ति से पहले रियायत लेने की अनुज्ञेय दी जा सकती है।

(छ) गृहमन्त्रालय में किसी भी स्थान पर जाने के लिए प्रदान की जाने वाली रियायत सेवाविशेष से पूर्व किए जाने वाले अवकाश के दौरान दोनों तरफ की यात्रा के लिए अनुज्ञात है, बशर्ते की वापसी यात्रा अवकाश समाप्ति से पहले पूरी कर ली जाये। अस्वीकृति अवकाश तथा सेवा अवकाश के दौरान यह रियायत अनुज्ञात नहीं है।

(ज) ऐसे किसी कर्मचारी को, जो छुट्टी पर जाने के बाद झूठी पर वापिस आए बिना ही अपने पद में त्यागपत्र दे देता है, रियायत अनुज्ञेय नहीं होगी।

टिप्पण:—सेवानिवृत्त होने वाला कर्मचारी, उन्हीं निबंधनों पर यात्राभत्ता, स्वास्थ्यस्तरण अनुदान तथा प्रावृषणिक व्यय पाने का हकदार होगा जिन पर कि सेवारत कर्मचारी स्वास्थ्यस्तरण होने पर, प्राप्त करते हैं।

(क) खण्ड (ग) में अन्तर्लिखित उपबन्धों के होने हुए भी, कोई भी कर्मचारी जहाँ स्थान रेलमार्ग से जुड़े हैं, विमान, म्दामर या सड़क से (निजी कार से अथवा सार्वजनिक परिवहन से) अथवा जिन श्रेणी का वह हकदार है उससे निम्नतर अथवा उच्चतर श्रेणी में यात्रा कर सकता है। किन्तु प्राधिकरण का दायित्व खण्ड (ग) के अधीन अनुज्ञेय कियाए नक अथवा कियाए पर खर्च हुई वास्तविक धनराशि तक, इनमें से जो भी कम हो, उस तक, सीमित रहेगा।

(अ) खण्ड (ब) के उपबन्धों के अर्थात् रहने हुए, उन स्थानों के बीच जो रेलमार्ग से जुड़े नहीं हैं, यात्राओं के लिए रियायत निम्नलिखित रूप में अनुज्ञेय होगी, अर्थात्:—

- (1) मास्यताप्राप्त सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के अन्तर्गत आने वाले स्थानों की यात्रा के संबंध में, सहायता वास्तविक रूप से प्रसारित पूरे कियाए के बराबर दी जाएगी।
- (2) यात्रा के उग भाग के लिए, जहाँ मास्यताप्राप्त सार्वजनिक परिवहन प्रणाली सुलभ न हों, सहायता यात्रा, भत्ते से संबंधित उन विनियमों के, जो ऐसे कर्मचारी को लागू होते हैं, अधीन लिखित दर पर पूर्ण मील भत्ते के बराबर दी जाएगी।

दोनों ही मामलों में, कर्मचारी तथा उसके कुटुम्ब के सदस्य के लिए सहायता की राशि को, यथास्थिति, उपरोक्त वास्तविक कियाए अथवा मील भत्ते के आधार पर एकल दरों के अनुसार, संगणित किया जाएगा।

(ट) यह रियायत उन कर्मचारी को अनुज्ञेय नहीं होगी जिनसे प्राधिकरण के अर्जात एक वर्ष की निरन्तर सेवा नहीं करनी है।

(ठ) जिस कर्मचारी का कुटुम्ब उसके स्वतन्त्र में रहता है, वह अपने स्वतन्त्र जाने और वहाँ से वापसी के लिए अपने तथा अपने परिवार के लिए दो वर्ष के ब्लाक में एक बार रियायत लेने की बजाए केवल अपने लिए, प्रत्येक वर्ष ऐसी रियायत ले सकता है।

(ड) पूर्ववर्ती खण्ड (ब) में अन्तर्लिखित उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव आने बिना, यदि किसी कर्मचारी द्वारा आवेदित अवकाश को, अवकाश मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी लोक सेवा के हित में लिखित रूप में नामंजूर कर देता है तथा यदि ऐसा प्राधिकारी यह भी प्रमाणित कर देता है कि उसे उस कैलेंडर वर्ष के दौरान किसी भी समय अवकाश नहीं दिया जा सकता है तो जहाँ तक कि स्वयं उस कर्मचारी का संबंध है, यह समझा जाएगा कि उस अवसर के लिए रियायत व्यपगत हो गई है।

(4) सन् 1974 से प्रारम्भ होने वाले चार कैलेंडर वर्ष के ब्लाक में एक बार प्राधिकरण का प्रत्येक कर्मचारी भारत में किसी भी स्थान को की जाने वाली यात्रा के लिए, इन विनियमों में अधिलिखित सभी ध्येय जनों के अधीन रहने हुए छुट्टी यात्रा रियायत लेने का हकदार होगा। यदि भारत में किसी भी स्थान को की जाने वाली यात्रा के लिए मिलने वाली रियायत का, चार वर्ष के एक ब्लाक में लाभ नहीं उठाया जाता है तो उसे चार वर्ष के अगले ब्लाक के प्रथम वर्ष को अग्रणीत कर दिया जाएगा।

टिप्पण:—जो कर्मचारी अपने स्वतन्त्र की यात्रा के लिए रियायत पाने के हकदार हैं चार वर्ष के ब्लाक में एक बार भारत में किसी भी स्थान को की जाने वाली यात्रा के लिए भी रियायत पाने के हकदार होंगे, किन्तु यदि इस रियायत का लाभ उठा लिया जाता है तो इसे स्वतन्त्र की यात्रा-रियायत बचने में बी गई रियायत माना जाएगा तथा इसे उसी रियायत से समायोजित किया जाएगा। इसमें यह रियायत भी, यदि कोई है, सम्मिलित कर ली जाएगी जो कि पिछली अवधि से अग्रणीत की गई है तथा जिसके वे भारत में किसी भी स्थान की यात्रा के लिए पाने के समय, हकदार रहे हों, यह और भी कि ऐसे कर्मचारी भारत में किसी भी स्थान की यात्रा कर जाने के

लिए अनुज्ञेय रियायत को चार वर्ष के अगले ब्लाक के प्रथम वर्ष को अग्रणीत करने के लक्ष्य हकदार होंगे जबकि वे उस वर्ष के लिए अपने स्वतन्त्र की यात्रा पर जाने के लिए मिलने वाली अवकाश यात्रा रियायत को भी अग्रणीत करने के हकदार हों।

(ब) कर्मचारी के कुटुम्ब के सदस्यों को एक तरफ यात्रा रियायत, जाते समय और आते समय की यात्राओं के समय हर मामले में स्वतन्त्र रूप से विद्यमान तथ्यों के प्रकाश निर्देश में अनुज्ञेय होगी।

दृष्टांत:—

(क) निम्नलिखित व्यक्ति केवल जाते समय की यात्रा के संबंध में प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे, अर्थात्:—

- (1) ऐसे आश्रित पुत्र या पुत्री स्वतन्त्र जाकर नियोजन में लग जाएं अथवा विवाह कर ले अथवा अध्ययन करने के लिए वहाँ रह जाएं; अथवा
- (2) कुटुम्ब ने स्वतन्त्र जाने के लिए यात्रा पूरी करनी हो किन्तु वहाँ से वापसी की यात्रा करने का उसका कोई इरादा न हो, परन्तु यह तब जब कि कर्मचारी, उसके कुटुम्ब के सदस्यों द्वारा बाद में की जाने वाली वापसी यात्रा के संबंध में रियायत का लिखित रूप से त्याग कर दें।

(ख) निम्नलिखित व्यक्ति केवल वापसी यात्रा के संबंध में प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे, अर्थात्:—

- (1) तबबिधाहिता पत्नी, जो स्वतन्त्र से मुख्यालय स्टेशन का आर अथवा ऐसी पत्नी जो स्वतन्त्र में रह रही है और जिसने जाते समय की अपनी यात्रा के संबंध में अवकाश यात्रा रियायत का लाभ नहीं उठाया है; या
- (2) ऐसा आश्रित पुत्र या पुत्री जो स्वतन्त्र से, जहाँ वह अध्ययनरत हो अथवा अपने पितामह-पितामही, मामामह-मामामही आदि के साथ रह रहा/रही हो, माता पिता के साथ या अकेले जाए; या
- (3) कोई बालक जो पहले तीन अथवा बारह वर्ष से कम आयु का था किन्तु वापसी यात्रा के समय पूरे तीन अथवा बारह वर्ष का हो गया है; या
- (4) कोई बालक जिसे कर्मचारी ने स्वतन्त्र में अपने ठहरने के दौरान वेध रूप से दत्तक ग्रहण किया है।

5. दावे प्रस्तुत करना:—(1) कर्मचारी, प्रतिपूर्ति संबंधी दावे के साथ, आवश्यक विवरण भी प्रस्तुत करेगा तथा इस आशय का प्रमाणपत्र देगा कि उसने तथा उसके कुटुम्ब ने वास्तव में वे याचाए की हैं।

(2) कर्मचारी, यथासंभव, इस संबंध में मास्य भी प्रस्तुत करेगा कि उसने वस्तुतः यात्रा की है, जैसे रेल टिकट का प्रामाणिक नकद रसीद।

(3) कर्मचारी, इन विनियमों के अधीन यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति का दावा, वापसी यात्रा के पूर्ण होने की तारीख के पश्चात् से 90 दिन की अवधि के भीतर प्रस्तुत करेगा अन्यथा उसका प्रतिपूर्ति संबंधी अधिकार समाप्त किया जा सकता है। विशेष परिस्थितियों के कारण सक्षम प्राधिकारी किसी विशिष्ट मामले में, इसमें छूट भी दे सकता है।

6. अग्रिम धन:—(1) संबंधित नियंत्रक अधिकारी, प्रतिपूर्ति के लिए कर्मचारी के प्राकल्पित दावे का 90 प्रतिशत तक अग्रिम धन के रूप में मंजूर कर सकता है।

(2) नियंत्रक अधिकारी, कर्मचारी के कुटुम्ब के सदस्यों के प्रत्येक व्यय समूह के लिए पृथक अग्रिम धन की मंजूरी दे सकता है

तथा उसके बाधों के अलग-अलग समायोजन में कोई बाध नहीं की जाएगी। तथापि, यदि कर्मचारी ने अपने कुटुम्ब के सदस्यों के संबंध में समेकित अधिम धन ले लिया है तो सभी समूहों के लिए एक ही समायोजन बाधा तैयार किया जाएगा।

7. निश्चिन्तन : यदि इन विनियमों के निर्वहन के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न होता है तो यह अधिकाधिक निश्चित किया जाएगा जो उसका निश्चिन्तन करेगा।

कैप्टन एम. एम. कपूर, अध्यक्ष
भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानचलन प्राधिकरण

INTERNATIONAL AIRPORT AUTHORITY OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May, 1982

No. PERS/SC/13/73-Vol. III.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section 37 read with sub-section (2) of section 38 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the International Airports Authority of India with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title, commencement and application.—(1) These regulations may be called the International Airports Authority of India (Leave Travel Concession) Regulations, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to all the employees of the Authority :—

(i) who are entitled to regular leave ;

(ii) who are appointed on a contract basis, if the contract is for a period exceeding one year, and

(iii) who are re-employed, on completion of one year's continuous service ;

and shall not apply to persons,

(i) who are not in the whole time employment of the Authority, or

(ii) who are daily wage employees, or

(iii) who are trainees or apprentices ;

Provided that the persons who are on deputation from the Ministries and Departments of the Central Government and other Organisations shall have the option if otherwise admissible under the terms of their deputation, to choose between leave travel concession as admissible under these regulations and that admissible to them under their parent Organisation whichever is more favourable to them, but no such person shall be entitled to avail of the concession from the Authority for self and/or for his family for the duration of the block of 2/4 years, if he and/or his family, as the case may be has already availed of the concession under his parent Organisation during the block.

2. Definition.—In these regulations,—

(a) "block" means a group of two consecutive calendar years, commencing from the year 1972-73 ;

(b) "competent authority" means the Chairman or any Member or any officer authorised in this behalf by the Chairman ;

(c) "concession" means the leave travel concession admissible under these regulations ;

(d) "family" means an employee's wife or husband, as the case may be, residing with the employee, legitimate children including step children and adopted children (if under the personal law applicable to the employee, adoption is legally recognised as conferring on the child so adopted the status of a

natural child), wholly dependent on the employee, parents, sisters and minor brothers, residing with, and wholly dependent on the employee.

Note :—Not more than one wife is included in the term 'family' for the purposes of these regulations ;

(e) "home town" means the permanent home town or village as entered in the service record of the employee or such other place as has been declared by him to be his home town and accepted by the competent authority.

3. Declaration of home town.—(1) Every employee shall within a period of six months from the date of commencement of these regulations or before availing of the concession, whichever is earlier, make a declaration to the competent authority as his home town for the purposes of these regulations ;

Provided that a new entrant to the service of the Authority shall make such a declaration before the expiry of six months from the date of entry into service.

(2) A declaration of home town once made shall be treated as final, but in exceptional circumstances a competent authority may, for reasons to be recorded in writing, authorise a change in any such declaration, provided that such a change shall not be authorised more than once during the entire service of the employee ;

(3) Every request for change of home town by an employee shall be supported by reasons such as ownership of immovable property or permanent residence of near relative.

4. Admissibility of leave travel concession.—The concession shall be admissible to an employee for visiting his home town and the authority shall reimburse the fare subject to the following conditions, namely :—

(a) The concession shall be admissible to an employee and the members of his family for visiting his home town once in every block year subject to prior approval of the competent authority.

Note :—The employee may avail himself of the concession during regular or casual leave.

Note II—The members of the family shall be entitled to the concession irrespective of the fact that the employee has or has not been granted regular leave or casual leave for the purpose or that his leave has or has not been officially refused.

Note III—An employee who declares subject to the satisfaction of the competent authority that his home town is outside India shall also be entitled to the concession for visiting his home-town. The Authority's assistance in such a case shall be limited to the share of the fare for journeys by the shortest route calculated on a through ticket basis upto and from the Indian railway station or port (by the shortest route) nearest to his home town.

Explanation.—For the purpose of this regulation, the term 'port' nearest to his home town means the port in India nearest to the home-town of the employee.

(b) The Authority shall make full re-imbursement of the expenses incurred in visiting home town in a block of 2 years for the class by which the employee is entitled for travel and full reimbursement for visiting any place in India in a block of 4 years.

Note :—The liability of the Authority for the cost of railway fare between the employee's headquarters and his home town shall be limited to the share of the fare by shortest route calculated on a "through" ticket basis.

(c) The employee and members of his family shall be entitled to the class of travel by rail as per his entitlement under the regulations relating to travelling allowance applicable to such employees, subject to the condition that if the employee is under the

said regulation entitled to travel by air conditioned accommodation, his entitlement to the concession shall be on the basis of travel by first class only.

(d) In every case the journey shall be to the home-town and back but it need not necessarily commence from or end at the headquarters, of the employee either in his own case or in the case of the members of his family. But the assistance admissible shall be the amount admissible for the actual distance travelled, limited to the amount that would have been admissible had the journey been performed between the headquarters and the home-town of the employee.

(e) The family members need not accompany the employee or even travel in the same calendar year in which the employee travels. The family members will get the concession independently whether the employee avails it or not. The members of the family of an employee may either travel together or separately in different groups as may be convenient to them. Where they travel in different groups, at different times, reimbursement of expenditure may be allowed in respect of each group provided the journey is reformed during the currency of the block in respect of which the first group performed its journey. For example, for the block 1978-81, its one-group performs the outward journey sometime in 1978, the last group can perform its outward journey any time up to 1982. The return journey of each group must be completed within months from the date of commencement of the outward journey by that group. This condition may be relaxed in special cases by the competent authority.

(f) The concession shall be counted against the year during which the outward journey commences. However, the employees and their families who are unable to avail themselves of the concession in a block of two years may be permitted to avail of the concession before the end of the first year of the next block.

(g) The concession to home-town/any place in India is admissible both ways during leave preparatory to retirement provided the return journey is completed before the expiry of the leave. The concession is not admissible during refused leave and terminal leave.

(h) The concession shall not be admissible to an employee who proceeds on leave and then resigns his post without returning to duty.

Note :—The retiring employee shall be entitled to travelling allowance, transfer grant and incidentals on the same terms as a serving employee on transfer.

(i) Notwithstanding the provision contained in clause (c), an employee may travel by air, steamer or road (either by private car or public transport) where the places are connected by rail or in a class higher or lower than that to which he is entitled, but the liability of the Authority shall be restricted to the fare as admissible under clause (c) or the actual cost of fare, whichever is less.

(j) Subject to the provisions of clause (b), in respect of journeys between places not connected by rail the concession shall be admissible as under :

(1) For a journey which is covered by a recognised public transport system, the assistance shall be the full actual fare charged.

(2) For the portion of journey which is not connected by a recognised public transport system, the assistance shall be full road mileage at the rates prescribed under the regulations relating to travelling allowance applicable to such employees.

In either case the amount of assistance shall be calculated on the basis of actual fare or mileage allowance, as above, as the case may be, at single rates for the employee and for the members of his family.

(k) The concession shall not be admissible to an employee who has not completed one year of continuous service under the Authority.

(l) An employee whose family is living at his home town, may instead of having the concession for his family as well as for himself one in a block of two years, avail of the concession for himself alone once every year for visiting his home-town.

(m) Without prejudice to the provision contained in preceding clause (f), if the leave applied for by an employee is refused in writing by the authority competent to sanction the same in the interest of public service and if it is also certified by that authority that leave cannot be granted at any time during that calendar year, in that case, the concession shall be deemed to have lapsed for that occasion so far as the employee himself is concerned.

(n) Once in a block of four calendar years commencing from the year 1974, every employee of the Authority shall be entitled to avail himself of the concession for journey to any place in India, subject to all other conditions laid down in these regulations. In particular, concession for travelling to any place in India, if not utilized, during the block of four years, shall be carried forward to the first year of the next block of the four years.

Note —Employees who are entitled to the concession for journeys to their home-town shall also be eligible to avail themselves of the concession to travel to any place in India once in block of four years, but, if this concession is utilised, it will be in lieu of and adjusted against the concession to the home-town including the concession, if any, carried forward, to which they may be entitled at the time of journey to any place in India is undertaken. Further, such employees shall be entitled to carry forward the concession to travel to any place in India to the first year of the next block of four years only if they are entitled to carry forward the concession to home-town for that year.

(o) The concession for one way journey shall be admissible to the members of the family of an employee with reference to the facts existing at the time of the forward and return journeys independently.

Illustrations :—(a) The following persons shall be entitled to reimbursement in respect of the outward journey only, namely :—

(i) a dependent son or daughter getting employment or getting married after going to home-town or remaining there for prosecution of studies ; or

(ii) the family having performed the journey to home-town have no intention of completing the return journey from home-town, provided the employee forgoes in writing the concession in respect of the return journey if performed by the members of his family at a subsequent date.

(b) The following persons shall be entitled to reimbursement in respect of return journey only, namely :—

(i) a newly married wife coming from home-town to headquarters station or a wife who has been living at home-town and did not avail herself of the leave travel concession in respect of the outward journey ; or

(ii) a dependent son or daughter returning with parents or coming alone from home-town where he or she has been prosecuting studies or living with grand parents etc., or

(iii) a child who was previously below three or twelve years of age but has completed three or twelve years of age only at the time of the return journey ; or

(iv) a child legally adopted by an employer while staying in the home-town.

5. Submission of claims.—(1) The employee shall prefer claim for reimbursement together with necessary details and

urnish a certificate that he and his family actually performed such journeys.

(2) The employee shall also produce evidence of his having actually performed the journey, namely, serial number of rail tickets, cash receipt, wherever it is practicable.

(3) The employee shall submit the claim for reimbursement of the cost of travel under these regulations within 90 days after the completion of the return journey, otherwise the right to reimbursement may be forfeited unless relaxed in special circumstances in any particular case by the competent authority.

6. Advance :—(1) Advance may be sanctioned by the controlling Officer concerned up to 90 per cent of the stipulated claim of the employee for reimbursement.

(2) Advance may also be sanctioned by the controlling officer for each different group of the members of the family of the employee and there may not be any objection to permitting adjustment of his claims separately. When, however, a consolidated advance is drawn by the employee in respect of the members of his family, one adjustment claim shall be prepared for all the groups.

7. Interpretation :—If any question arises relating to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Chairman who shall decide the same.

CAPT. A. M. KAPUR, Chairman,
International Airports Authority of India.